गुलाब के प्रचार-प्रसार के लिए एसएस गद्रे हुए सम्मानित

रिपोर्टर • IamBhopal

Mobile no. 9827080406

पिछले लगभग 40 साल से मप्र रोज सोसायटी से जुड़े हुए एसएस गद्रे को गुलाबों के प्रति उनके योगदान के लिए पूणे में इंडियन रोज फेडरेशन के 39 वें अधिवेशन में गुरुबख्श सिंह गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। श्री गद्रे सोसायटी के सभी पदों पर काम करते हुए पिछले 4 वर्षों तक मप्र रोज सोसायटी के अध्यक्ष भी रहे हैं। इसी साल अक्टूबर माह में वे 19 वे वर्ल्ड रोज कन्वेंशन में भाग लेने के लिए ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड में गए थे, जहां उन्होंने दुनियाभर से आए गुलाबप्रेमियों के समक्ष भोपाल और भारत में गुलाब व फूलों को लेकर हो रहे कार्यों व रोज सोसायटी की गतिविधियों से सभी को अवगत कराया था। श्री गद्रे ने बताया कि यह मेडल हर वर्ष गुलाब के प्रचार-प्रसार तथा गुलाब की जानकारी आम आदमी तक पहुंचाने में उनके योगदान के कारण किया जाता है।

अधिवेशन में गुरुबख्श सिंह गोल्ड मेडल से सम्मानित

दैनिक कारखाने का सफर।
भोपाल

म. प्र रोज सोसायटी के पूर्व अध्यक्ष श्री स. श्री. गद्रे को आज यहाँ पुणे के संभाजी उद्यान में आयोजित इंडियन रोज फेडरेशन के ३९ वे अधिवेशन में गुरुबख्श सिंह गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया. यह मैडल हर वर्ष गुलाब के प्रचार प्रसार तथा गुलाब की जानकारी आम आदमी तक पहुँचाने में उनके योगदान के कारण दिया जाता है. श्री गद्रे पिछले लगभग ४० वर्षों से म. प्र. रोज सोसायटी से जुड़े हुवे हैं तथा सोसायटी के सभी पदों पर काम करते हुवे पिछले ४ वर्षों तक वे इसके अध्यक्ष भी रहे हैं. अभी अक्टूबर में वे १९ वे वर्ल्ड रोज कन्वेंशन में भाग लेने के लिए ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड में गए थे।

गुलाब उद्यान में
गुलदाउदी एग्जीबिशन
का आयोजन

ऑटम किंग, स्नोबॉल और सोनार बंगला आदि किस्मों के गुलदाउदी लोगों को कर रहे आकर्षित

रिपोर्टर • IamBhopal
Mobile no. 8989210501

सर्दी का मौसम आ गया है, ऐसे में हल्की ठंड के बीच गुलाब उद्यान में शनिवार को काफी तादात में शहरवासी गुलदाउदी देखने पहुंचे। प्रदर्शनी में लगभग 1000 एंट्रीज इस बार आईं, जो कि पिछले साल के मुकाबले ज्यादा रहीं। इस बार लगभग 50 तरह की वैराइटी देखने को मिली रही हैं। कई नए प्रतिभागी भी प्रतियोगिता में शामिल हुए है। जिन कैटेगरीज में गुलदाउदी आईं, वे एनिमोन, पॉमपॉम, इंटरमीडिएट, रिफलेक्स्ड, इंकर्ड, स्पाइडर और स्पून रहीं। नई वैराइटी में ऑटम किंग खास रहा। छोटी और बड़ी दोनों तरह की गुलदाउदी यहां लाई गईं। एग्जीबिशन के अंतिम दिन विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा।

ऐसे करें गुलदाउदी की देखभाल

रोज सोसायटी के पूर्व अध्यक्ष एसएस गद्रे के अनुसार गुलदाउदी को खास देख रेख चाहिए। इसके बड़े फूल अगस्त में और छोटे जून में आते हैं। इसके पौधे को डेढ़ इंच से ज्यादा मिट्टी में नहीं दबाना चाहिए। गमले में दिए पानी निकासी के छेद पर शेप का मिट्टी या अन्य टुकड़ा रखें। मिट्टी बनाने के लिए 30 प्रतिशत गोबर की खाद और 60 प्रतिशत काली मिट्टी और 10 प्रतिशत रेत का इस्तेमाल किया जाता है। हर सप्ताह गुड़ाई करें ताकि फूल बड़े आएं। 15 दिन में कराटे नामक कीटनाशक का स्प्रे जरूर करें।

यह किस्में हुईं प्रदर्शित

सोसायटी के पूर्व अध्यक्ष एसएस गद्रे ने बताया कि रंग-बिरंगी गुलदाउदी की बड़े फूलों की किस्म में इंकर्वड, रिफ्लेक्स्ड, इंटरमीडिएट, स्पाइडर और स्पून शामिल है। छोटी गुलदाउदी में पोमपोन, कॉस्यिस, एनिमून और बटन की किस्म देखी जा रही। पिछले साल की तरह इस साल भी कुछ सॉइललेस गमले प्रदर्शित किए गए है, जिनमें हुई फ्लॉवरिंग दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। गुलदाउदी में ऑटम किंग, ऑटम आइस, डार्क आइस, ऑब्सेशन, नाइटएंगल, ऐमेटिस, रीटा-वीटा, डायमंड जुबली, स्नोबॉल, सोनार बंगला, अल्फ्रेड सिमसन, किकू बिहारी, कोका गाउन, हनी यैलो नाइट आदि वैराइटी देखने को मिल रही है।

8वीं गुलदाउदी प्रदर्शनी शुरू, 50 किस्मों के 900 गमले आए

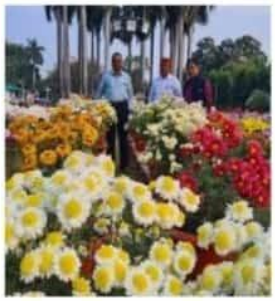

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

8वीं गुलदाउदी प्रदर्शनी का उद्घाटन शनिवार शाम 5 बजे वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ रोज सोसायटीज के कोषाध्यक्ष श्री सुशील प्रकाश द्वारा किया गया। यह दो दिवसीय प्रदर्शनी मध्यप्रदेश रोज सोसायटी तथा संचालनालय उद्यानिकी द्वारा आयोजित की जा रही है। इस वर्ष पुष्प प्रेमी लगभग 900 गमले एवं 50 वैरायटी लेकर आए हैं। प्रदर्शनी का शुभारंभ करने के उपरांत वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ रोज सोसायटीज के कोषाध्यक्ष श्री सुशील प्रकाश ने सर्वप्रथम 1984 की गैस त्रासदी में दिवंगत लोगों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने आशा व्यक्त की की आगे ऐसे हादसे न हों। उन्होंने कहा की यह फूलों की प्रदर्शनी उनके प्रति सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने इसमें भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद भी दिया कि उन्होंने अपने प्रादर्श यहाँ लाकर आम जनता को इतने अच्छे फूलों से परिचित करवाया। उन्होंने आयोजकों को भी धन्यवाद दिया की ऐसी प्रदर्शनी आयोजित कर उन्होंने हरियाली बढ़ाकर वातावरण को शुद्ध करने में अपना योगदान दिया है। रोज सोसायटी के अध्यक्ष श्री लक्ष्मेंद्र माहेश्वरी ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। गुलाब उद्यान के प्रभारी श्री आर के रावत ने प्रदर्शनी के उद्देश्य एवं अन्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला। रोज सोसाइटी के पूर्व अध्यक्ष श्री सच्चिदानंद गद्रे ने सभी का आभार व्यक्त किया। रोज सोसायटी के सभी कार्यकारिणी सदस्य तथा बड़ी संख्या में पुष्प प्रेमी उपस्थित थे।

गुलदाउदी से महका गुलाब उद्यान, 9 किस्म के 900 फूलों की छाई बहार

जागरण सिटी रिपोर्टर। फूलों से किसे प्यार नहीं होता। कोई इनके रंगों का दीवाना है, तो कोई इनकी खुशबू का। शनिवार को शहर के लिंक रोड नं. 1 स्थित गुलाब उद्यान में शुरु हुई गुलदाउदी प्रदर्शनी में फूलों की सुगंध और रंगत के खुशनुमा अहसास को महसूस करने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। संचालनालय उद्यानिकी तथा प्रक्षेत्र वानिकी एवं मप्र रोज सोसायटी द्वारा गुलदाउदी प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है, जिसमें 9 किस्म के करीब 900 पौधों को शामिल किया गया है। दो दिवसीय प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता में रविवार को महापौर मालती राय विजेताओं को पुरस्कृत करेंगी।

ऑटम किंग और ऑटम ब्लेज दिखे सबसे आकर्षक

देश और दुनिया की अलग-अलग 9 प्रजातियों के फूलों की सुगंधता से महकती इस प्रदर्शनी में इनकर्व्ड, रिफेल्क्सड, स्पून, कोरिटंस, बटन एवं एनेमोन किस्म के करीब 900 पौधे शामिल हैं। प्रदर्शनी में कुछ नए पौधों को भी जोड़ा गया है, इनमें ऑटम ब्लेज एवं ऑटम किंग के पौधे प्रमुख हैं। पतझड़ के मौसम में खिलने वाले ये स्पेशल पौधे लोगों को खासे आकर्षित कर रहे हैं।

हजारों की तादाद में शहरवासी पहुंचे गुलदाउदी का दीदार करने

भोपाल। गुलाब उद्यान में आयोजित गुलदाउदी प्रदर्शनी के अंतिम दिन रविवार को हजारों की संख्या में शहरवासी रंग-बिरंगे फूलों का दीदार करने पहुंचे। इस मौके पर मुख्य अतिथि मालती राय द्वारा विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। संस्थागत पुरस्कारों में पहले स्थान पर ओमेगा रैंक वेयरिंग, दूसरे पर बीएमएचआरसी रहा। व्यक्तिगत प्रतियोगिता में पहला स्थान प्रेरणा प्रकाश, दूसरे पर डॉ. प्रभा देशिकन रहीं। दीपा माहेश्वरी, अभय आर्य भी विजेता रहे।

फोटो • IamBhopal